Eklavya University

Bachelor of Art

(Sanskrit)

Session 2022-23 (से लागू)

NEP 2020

II Year

(20)

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्तये लक्ष्यसन्धानम्

संस्कृत का पाठ्यक्रम

भाग अ – परिचय			
कार्यक्रमः डिप्लोमा	कक्षाः बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्षः द्वितीय	सत्रः 2022–23

विषय : संस्कृत

1.	पाठ्यकम का कोड	EUA2-SANS1T
2.	पाठ्यकम का शीर्षक	गद्य,दर्शन एवं व्याकरण (प्रश्न पत्र 1)
3.	पाठ्यकम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / ....)	मेजर–1
4.	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हों)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने बिषय. संस्कृत का..अध्ययन कक्षा / बी.ए. प्रथम वर्ष / प्रमाण पत्र / उत्तीर्ण किया हो।........ इस पाठ्यकम को निम्नलिखित बिषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक बिषय के रूप में चुना जा सकता है–सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. छात्रों के चारित्रिक विकास में अत्यन्त उपयोगी। 2. सार्वभौमिक दृष्टि से आध्यात्मिक उन्नयन में सहायक। 3. भारतीय दार्शनिक चिन्तन की वैज्ञानिकता का अवबोध। 4. भारतीय संस्कृति एवं कलाओं से परिचित कराना। 5. छात्रों के बौद्धिक एवं मानसिक विकास के साथ भाषा अवबोध हेतु महत्त्वपूर्ण। 6. छात्रों को काव्य विधा लेखन की कला में दक्ष बनाना। 7. संस्कृत में वाक्य निर्माण और प्रयोग का ज्ञान कराना।

Ramniye Ashish Jay 25/05/23 Nidhi

		8. संस्कृत में अनुवाद एवं संभाषण कौशल का विकास।	
6.	क्रेडिट मान	06	
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30 +70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक :33

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या–ट्यूटोरियल–प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : **L-T-P:- 03**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	शुकनासोपदेशः बाणभट्ट विरचित कादम्बरी से– (व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न)।	15
II	(अ) आस्तिक दर्शनः (संख्या,योग,न्याय,वैशेषिक,वेदान्त तथा मीमांसा)। (ब) नास्तिक दर्शनः (चार्वाक,जैन एवं बौद्ध)– उक्त दर्शनों का सामान्य परिचय अपेक्षित है।	15
III	भारतीय संस्कृतिः पुरूषार्थ,संस्कार,कला एवं संस्कृति का स्वरूप और विशेषताएँ। कलाओं (स्थापत्यकला,मूर्तिकला,चित्रकला एवं संगीत कला) का सामान्य परिचय अपेक्षित है।	15
IV	(अ) वाच्य परिवर्तनः (कर्तृ, कर्मा एवं भाववाच्य) नियम तथा उदाहरण अपेक्षित हैं। (ब) संस्कृत निबन्धः संस्कृत भाषा में निबन्ध लेखन/पत्र लेखन /वार्ता लेखन/संभाषण/ लघुकथा लेखन।	15
V	समासः (लघुसिद्धान्त कौमुदी/कातंत्र व्याकरण से) विग्रह एवं समास का ज्ञान तथा समास के भेदों का अवबोध अपेक्षित है।	30

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग : आस्तिक,नास्तिक,दर्शन,संस्कृति,कला,वाच्य,निबन्ध,संभाषण,समास।

भाग्य स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

Ashutosh
25/05/22
Nidhi

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन पाठ्य पुस्तक– चतुष्टयी– म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रंथ/अन्य पाठय संसाधन/पाठय सामग्रीः 1. ''कादम्बरी'' – बाणभट्ट कृत– व्याख्या, रतिनात झा– मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी। 2. ''शुकनासोपदेश'' – आचार्य मोहनदेव पन्त– मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी। 3. ''शुकनासोपदेश'' – डॉ. चंद्रशेखर द्विवेदी,महालक्ष्मी प्रकाशन,आगरा। 4. ''भारतीय दर्शन'' – आचार्य बलदेव उपाध्याय – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 5. ''भारतीय दर्शन''– डॉ उमेश मिश्र– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 6. ''हिन्दु संस्कार''– राजबली पाण्डेय– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 7. ''भारतीय संस्कृति'' – वी.एन.लूनिया– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 8. ''भारतीय संस्कृति सौरभम्''– आचार्य रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 9. ''भारतीय संस्कृति'' – डॉ. शिवदत्त ज्ञानी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 10.''भारतीय संस्कृति''– प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर। 11.''लघुसिद्धान्त कौमुदी''– वरदराजाचार्य– व्याख्याकार,भीमसेन शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 12.''संस्कृत निबंध शतकम्''– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 13.''संस्कृत निबन्धावलि'' आचार्य रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 14.''संस्कृत निबंध मंदाकिनी''– आचार्य आद्या प्रसाद मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन ,वाराणसी। 15.''भारतीय कला का विकास''– राधाकमल मुखर्जी– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 16.''चन्द्र संस्कृत व्याकरण''– नेमिचन्द्र शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी। 17.''भारतीय कला''– वासुदेव शरण अग्रवाल, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 18.''भारतीय स्थापत्य कला''– द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 19.''भारतीय संस्कृति''– किरण टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली। 20.''प्राचीन भारतीय संस्कृति''– डॉ वीरेंद्र सिंह, अक्षय वट प्रकाशन, इलाहाबाद। 21.प्राकृत-संस्कृत के समानांतर अध्ययन-डॉ. श्री रंजन सूरीदेव पटना बिहार, प्रकाशन -

Ashutosh 25/05/22

22.पाश्चात्य दर्शन डॉ. चंद्रधर शर्मा 23.संस्कृत साहित्य समुच्चय डॉ. आशीष कुमार जैन अनुशंसित डिजिटल प्लाटफार्म वेब लिंक–ई–सोर्सेस, इपीजी पाठशाला संस्कृत, ई–पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, swayam.gov.in
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठयक्रमः शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,तिरूपति,IGNOU BAG (Sanskrit) study Material, B.A. Sanskrit, kota vishwavidyalay, kota

भाग द– अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँः		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँः लिखित परीक्षा, सतत आंतरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघु उत्तरीय प्रश्न निर्माण। अधिकतम अकः 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 30 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंकः 70		
आंतरिक मूल्यांकनः सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुल अंकः 30
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE): समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ): वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग(ब): लघु प्रश्न अनुभाग(स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंकः 70
कोई टिप्पणी/सुझाव :		

Ramniya Abhishek Jha 25/05/23

16

भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम : डिप्लोमा		कक्षा : बी.ए.द्वितीय वर्ष	वर्षः द्वितीय	वर्ष:2022–23
विषय : संस्कृत				
1	पाठ्यक्रम का कोड	EUA2-SANS2T		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	महाकाव्य एवं नाटक (प्रश्न पत्र 2)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/एलेक्टिव/वोकेशलन/....)	मेजर – 2/माइनर/वैकल्पिक		
4	पूर्वापेक्षा (prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय संस्कृत का अध्ययन कक्षा/बी.ए. प्रथम वर्ष प्रमाणपत्र उत्तीर्ण किया हो। इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप मे चुना जा सकता है : सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. छात्रों को काव्य विधाओं से परिचित कराना। 2. छात्रों को आश्रम के नियमों तथा गौ–सेवा की महिमा का बोध कराना। 3. नाटयशास्त्रीय तत्त्वों का ज्ञान। 4. रंगमंचीय प्रयोग तथा नाट्यलेखन की विधा का परिचय। 5. छात्रों में अभिनय कला का विकास तथा अभिरूचि संवर्धन। 6. छात्रों को प्राचीन नाट्यकारो एवं उनकी कृतियों से परिचित कराना। 5. छात्रों को जीवन मूल्यों एवं नैतिक दायित्व की शिक्षा प्रदान कराना।		
6.	केडिट मान	06		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33	
भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु				
व्याख्यान की कुल संख्या– टयूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : L-T-P:-03				

Ashutosh Ramniya A Sjay

25/05/23 Nidhi

इकाई.		
I	महाकाव्य (अ) रघुवंशम्–द्वितीय सर्ग (पाठयांश की व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न) (ब) महाकाव्य का स्वरूप एवं प्रमुख महाकाव्यों का उद्‌भव एवं विकास तथा सामान्य परिचय (कुमारसम्भवम्, रघुवंशम्, किरातर्जुनीयम्, शिशुपाल वधम्, नैषधीयचरितम्)।	15
II	नाटको का उद्‌भव एवं विकास, नाट्‌यशास्त्र प्रथम अध्याय से नाट्‌योत्पति एवं नाट्‌यप्रयोजन से संबंधित पाठ्‌यांशो की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।	15
III	नाट्‌यशास्त्र के परिभाषिक शब्द : नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, प्रवेशक, विष्कम्भक, विदूषक, स्वागत, प्रकाश एवं भरतवाक्य।	15
IV	अभिज्ञानशाकुन्तलम्: प्रथम, चतुर्थ एवं पंचम अंक (पाठ्‌यांशो की व्याख्या एवं सम्पूर्ण नाटक से समीक्षात्मक प्रश्न)।	15
V	संस्कृत नाटकः संस्कृत के प्रतिनिधि नाट्‌यकार एवं उनकी कृतियों का सामान्य परिचय। (भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखादत्त, श्रीहर्ष, भवभूति एवं भट्टनारायण)	30
सार बिन्दु (की वर्ड)/ टैग : शास्त्र,नाट्‌य,काव्य,महाकाव्य,नाटक,प्रतिनिधि।		
भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन		

Ashutosh 25/05/23

(14)

पाठ्यपुस्तकें,संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन पाठ्यपुस्तक– चतुष्टयी, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रंथ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री : संदर्भ ग्रंथ : 1. ''रघुवंशम्–द्वितीय सर्ग'' (कालिदास रचित) आचार्य शेषराज शर्मा रेगनी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 2. ''रघुवंशम्–द्वितीय सर्ग''– श्री कृष्णमणी त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 3. ''रघुवंशम्–द्वितीय सर्ग'' जयकिशन खण्डेलवाल, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा। 4. ''नाट्यशास्त्रम्''– (भरतमुनि प्रणीत) बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 5. ''अभिज्ञानशाकुन्तलम्''– कालिदासकृत, कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 6. ''संस्कृत नाटक''– ए.बी. कीथ – अनुवादक उदयभानु सिंह, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी। 7. ''संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास''– डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी। 8. ''संस्कृत साहित्य का इतिहास'' – आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 9. ''लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास''–राम विलास चौधरी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 10. ''नाट्यशास्त्र का इतिहास– पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 11. ''आधुनिक संस्कृत नाटक''– आचार्य रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 12. ''संस्कृत नाट्य सिद्धांत''– डॉ. रमाकांत त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 13. ''संस्कृत नाट्य कोश''– डॉ. राम सागर त्रिपाठी I - II भाग चौखम्बा सुरभारती

Sammy Ashoka Sja 25/05/23

प्रकाशन, वाराणसी। 14. ''संस्कृत नाट्य कला''– डॉ. रामलखन शुक्ल, नेशलन पब्लिशिंग हाऊस दिल्ली। 15. ''नाट्यशास्त्र''– (भतरमुनि) सत्यप्रकाश शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन,वाराणसी। 16. ''नाट्यशास्त्र''– प्रीति प्रभा गोयल राजस्थान ग्रंथागार जोधपुर। 17. ''नाट्यशास्त्र'' बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी। अनुशंसित डिजिटल प्लाटफार्म वेब लिंक ई–सोर्सेस, इपीजी पाठशाला संस्कृत, ई–पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, swayam.gov.in		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,तिरूपति, IGNOU BAG (Sanskrit) study Material, B.A. Sanskrit, kota Vishwavidyalay, kota		
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ :		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँः लिखित परीक्षा, सतत आंतरिक मूल्यांकन,साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघु उत्तरीय प्रश्न निर्माण। अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 30 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 70		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइमेंट/ क्विज/ सेमीनार /प्रस्तुतीकरण/ (प्रेजेंटेशन)	कुल अंकः 30
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ): वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग(ब): लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग(स):दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंकः 70
कोई टिप्पणी/सुझावः		